मोमिन और काफिर की मौत

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.

एक हज़ार मुन्तखब हदीसे मिश्कात शरीफ हिन्दी.

अहमद व नसाई, हज़रत अबू हुरैरह (रदी) से रिवायत है खुलासा.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- जब मोमिन पर मौत का वकत आता हे तो रहमत के फरिश्ते सफेद रेशमी लिबास लेकर आते हे, वे कहते हे ऐ रूह! तू बाहर निकलआ, तू अल्लाह से खुश हे और अल्लाह तुझसे खुश हे,

अल्लाह की रहमत, उसकी नेमतों और अपने रब की तरफ आ, जो तुझ पर नाराज़ नहीं हे, चुनांचे उसके जिस्म से रूह बहत ही उम्दा कस्तूरी जैसी खुशबू की तरह बाहर आती हे, रहमत के फरिश्ते उसको एक दूसरे के हवाले करते हे यहा तक कि उसको आसमान के दरवाज़ों के करीब ले आते हे.

आसमान के फरिश्ते कहते हे किस कदर उम्दा, खुशबू वाली यह रूह हे जो तुम्हारे पास ज़मीन की तरफ से आई हे, चुनांचे उसको ईमान वालो की रूहो की जगह मे लाते हे.

ईमान वाले लोग उस रूह की मुलाकात से उससे ज़्यादा खुशी का इज़हार करते हे जिस कदर कि तुम मे से कोई आदमी अपने सफर पर गये हुए साथी की वापसी पर खुश होता हे. चुनांचे वे उससे पूछते हे कि फला आदमी का क्या हाल था, फला आदमी का क्या हाल था, फिर वे कहेंगे अभी इसको रहने दो क्योंकि यह दुनिया के गमों मे मुब्तला था. वह मरने वाला आदमी उनसे कहेगा वह तो मर गया था, क्या वह तुम्हारे यहा नहीं आया? इसपर वे कहते हे उसे उसके हाविया स्थान यानी दोज़ख की तरफ ले जाया गया हे.

काफिर की मौत का वकत जब करीब आता हे तो अज़ाब के फरिश्ते उसके पास टाट लेकर आते हे और कहते हे ऐ रूह! तू अल्लाह के अज़ाब की तरफ आ, तू नाखुश हे और तुझ पर तेरा रब नाराज़ हे, चुनांचे वह सख्त बदबूदार मुर्दार की गंध की तरह निकलेगी यहा तक कि फरिश्ते उसको ज़मीन के दरवाजे तक ले आयेंगे और कहेगे यह किस कदर बदबूदार हे? यहा तक कि फरिश्ते उसको काफिरों की रूहो की जगह मे पहूंचा देंगे.